नरेश यशोधर्मन ने नागरों को सौंप दिया था दशपुर का राज

मन्दसोर का वैभव- मालव प्रदेश की प्रसिद्ध राजधानी मन्दसोर किसी समय एक गौरवशाली नगर रहा था। छठवीं शताब्दी में यहां का प्रसिद्ध नरेश यशोधर्म्मन हुआ था जिसका कार्यकाल 532 ई. के आसपास माना जाता है। इसे विष्णु धर्म्मन एवं हर्ष विक्रमादित्य भी कहा जाता है। इसने शकों, रगों एवं अन्य आततायियों को पराजित कर मालवा की कीर्ति को विस्तारित किया था। मन्दसोर राज्य के अन्तर्गत दस उपनगर थे जिनको मिलाकर इसे 'दशपुर' कहा जाता था। यशोधर्म्मन के शासनकाल में यहाँ धन वैभव अत्युत्तम था। इसके काल में कला एवं संस्कृति का भी पूरा विकास हुआ जो यहाँ के शिलालेखों एवं मूर्तिकला से प्रमाणित होता है।

इन दस उपनगरों के कारण इसे 'दशार्ण देश' की संज्ञा दी जाने लगी तथा पास में बहती हुई शिवना नदी को भी 'दशार्ण नदी' कहा जाने लगा। यह नरेश यशोधर्म्मन शैव था तथा भगवान शंकर इनके इष्टदेव थे। इसी कारण इसने गुजरात की शिवपूजक जाति के ब्राह्मणों को दशपुर बुलाया तथा उनके ज्ञान से इस भूमि को पवित्र बनाने का प्रयत्न किया। **प्रश्नोरा नागरों का मन्दसोर आगमन-** एक बार दशपुर के महाराजा ने एक विराट यज्ञ करवाया। यज्ञ कार्य को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु इन्हें शिव भक्त विद्वान ब्राह्मणों की आवश्यकता अनुभव हुई। इनको इस कार्य के लिये गुजरात के प्रश्नोरा ब्राह्मणों का परिचय कराया गया जिसके फलस्वरुप महाराजा ने इन्हें सम्मान के साथ दशपुर बुलाया। जब ये ब्राह्मण जूनागढ़ से दशपुर जाने को तैयार हुए तो इस यात्रा का अन्य ब्राह्मणों ने कड़ा विरोध किया कि ये वहां जाकर राज्याश्रय पाकर तथा वहां दान-दक्षिणा लेकर भ्रष्ट न हो जाये। इनके लिये दान-दक्षिणा लेना सर्वथा वर्जित था क्योंकि इससे इनको भगवान शिव से मिलने वाला सोना बन्द हो जायेगा। किन्तु इन्होंने सबको विश्वास दिलाकर कि ये दान ग्रहण नहीं करेंगे, केवल यज्ञ का धार्मिक कृत्य पूर्ण करवाकर पुनः जूनागढ़ लौट आयेंगे, वहां से दशपुर के लिये प्रस्थान किया।

दशपुर पहुंचने पर इनका राज सम्मान किया गया तथा इनको यज्ञ कार्य एवं पौरोहित्य हेतु नियुक्त किया गया। इन्हीं पंडितों ने यह राजकीय महायज्ञ करवाया जो महीनों चलता रहा। महाराजा इनकी विद्वत्ता से अत्यधिक प्रभावित हुए। यज्ञ सफलतापूर्वक सम्पन्न होने से इनका यश और भी बढ़ गया। दान ग्रहण करना- यज्ञ की पूर्णाहूति के पश्चात जब ये ब्राह्मण पुनः जूनागढ़ के लिये प्रस्थान करने को तैयार हुए तो ये महाराजा से विदाई लेने हेतु उनके पास गये। महाराजा ने इन्हें स्वर्ण, मुद्रा, गोदान आदि देकर सम्मानित करना चाहा किन्तु इन ब्राह्मणों ने इस दान को ग्रहण करने से इन्कार कर दिया एवं कहा कि दान ग्रहण करने के लिए हमने पूर्व में ही मना कर दिया था कि हम किसी प्रकार का दान ग्रहण नहीं करेंगे।

इस प्रकार इनके इन्कार करने पर कतिपय विद्वानों ने महाराजा को समझाया कि जब तक इन पुरोहितों को यज्ञ की दक्षिणा नहीं दी जायेगी तो यह यज्ञ निष्फल ही रहेगा। इस पर महाराजा ने सब नागरों को बुलाकर निवेदन किया कि आपने दान ग्रहण करने से तो मना किया है किन्तु यज्ञ के प्रसाद को ग्रहण करने में तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

इस पर सबने विचार करके यज्ञ का प्रसाद लेना स्वीकार कर लिया। महाराजा ने प्रसन्न होकर उस प्रसाद का सबके लिए एक ही बड़ा मोदक बनवाकर सामूहिक रूप में उन्हें दे दिया। कहते हैं इस प्रसाद स्वरूप मोदक को ज्यों ही उन्होंने ग्रहण किया त्यों ही उधर जूनागढ़ में भगवान हाटकेश्वर से मिलने वाला वह सवाभार स्वर्ण मिलना बन्द हो गया। वहां के लोग समझ गये कि हमारे जो साथी दशपुर गये थे। उन्होंने संभवतः यज्ञ का दान स्वीकार कर लिया है, इसी से यह स्वर्ण प्राप्ति बन्द हो गई है। इधर जब इन ब्राह्मणों ने उस मोदक को तोड़ा तो उसमें एक पत्र मिला जिसमें लिखा था, 'यह दशपुर जनपद आपको दक्षिणा में दिया।' उक्त पत्र को पढ़कर इन लोगों को बहुत पश्चाताप और क्षोभ हुआ।

कई तो इतने कुपित हुए कि महाराज को शाप तक देने को उद्यत हो गये, पर अन्त में कुछ समझ बुझकर सबने दशपुर का शासन संभालना स्वीकार कर लिया। इन नागरों में से जिसने पुरोहित या आचार्य का पद ग्रहण किया था, उसी को यहाँ की शासन सत्ता संभालनी पड़ी।

अलगे अंक में जारी....

प्रस्तुति- श्रीमती शीला दशोरा

।। श्री गणेशाय नमः ।।

विजय स्टील डेकोर

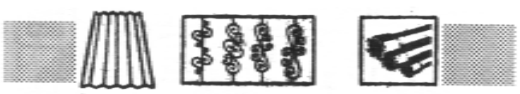

5, धनवन्तरी नगर, जी-1, राजसुधा अपार्टमेन्ट, दधिची चौराहा, इन्दौर फोन 2321578, मो. 98268-32786, 98936-24291

।। श्री सांई नमामि नमः ।।

फाइबर शीट मनभावन रंग एवं डिजाईन्स में रेडी स्टॉक में उपलब्ध
घर में बाल्कनी एवं सीढ़ीयों में उपयोग होने वाली
Railing Stair Case/Casting/Wrought Iron/Stainless Steel, Brass Exclusive G.P. Fitting "Spring", Sanitary Fitting
की सम्पूर्ण श्रृंखला व सभी कम्पनियों के.जी.आई.पाइप के विक्रेता
सभी प्रकार के हार्डवेयर का सामान इन्दौर शहर के मूल्य पर
आपकी कालोनी में उपलब्ध

R.K. Dave (Pappu)